बड़ी युवा शक्ति बनकर उभर रहा है भारत : राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने यूटीयू के दीक्षा समारोह में 5,387 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधि

- 43 विद्यार्थियों को मेडल और 24 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां दीं
- राज्यपाल जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने डिजीलाकर पर सभी विद्यार्थियों की डिग्रियां लाइव कीं

जागरण संवाददाता, देहरादून: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने भारत की तेजी से बदलती वैश्विक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की प्रमुख युवा शक्ति बनकर उभर रहा है। युवा हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे हैं। भारतीय स्टार्टअप की संख्या आज 1.25 लाख से अधिक हो चुकी है। छोटे शहरों और गांवों से निकले युवा खेल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय में विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यह दर्शाता है कि भारत के युवा जोखिम लेने में सक्षम और चुनौतियों का सामना करने का साहस रखते हैं।

राज्यपाल ने मंगलवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) के आठवें दीक्षा समारोह में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही। समारोह में 5,387 विद्यार्थियों को स्नातक और परास्नातक डिग्रियां और 43 विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किए गए। राज्यपाल ने डिजीलाकर पर सभी विद्यार्थियों की डिग्रियां लाइव कीं। राज्यपाल ने समारोह में 24 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भारतीय कंप्यूटर विज्ञान के अग्रणी और सुपर कंप्यूटर के जनक पद्मभूषण डा. विजय पांडुरंग भटकर, को डी-लिट और टायमैन आफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध, पद्मश्री अरविंद कुमार गुप्ता को डीएससी की मानद उपाधि दी गई।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। कहा कि डिग्री प्राप्त करना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि आज आपके जीवन में नई संभावनाओं के द्वार खुल चुके हैं। राज्यपाल ने कहा कि आप जिस क्षेत्र में भी जाएं अपने समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ सर्वश्रेष्ठ योगदान दें, जो राष्ट्र और समाज के हित में हो। राज्यपाल ने कहा कि युवाओं के हाथों में देश का भविष्य है। उनकी ऊर्जा, गति और कौशल ही नए भारत को आकार देगी। आज पूरी दुनिया भारत की ओर आशा और उम्मीद भरी नजरों से देख रही है, जिस पर युवाओं को खरा उतरना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आज की युवा पीढ़ी अपने कौशल, नवाचार और समर्पण से विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करेगी। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा सचिव डा. रंजीत कुमार सिन्हा, दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, उत्तराखंड संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, उत्तराखंड आयुर्वेद विवि के कुलपति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विवि, भरसार के कुलपति प्रो. परविंदर कौशल, यूटीयू के कुलसचिव प्रो. सतेंद्र सिंह सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के आठवें दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ। इस दौरान तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल व कुलपति प्रो. ओंकार सिंह • जागरण

युवा सकारात्मकता के साथ कार्य करें : सुबोध उनियाल

तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां ईमानदारी और सकारात्मकता के साथ कार्य करें। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आपके जज्बे और प्रतिभा के आगे कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। मंत्री ने विद्यार्थियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लाकचेन, क्वांटम कम्प्यूटिंग और मेटावर्स जैसी आधुनिक तकनीकों में दक्षता हासिल करने की अपील की।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के आठवें दीक्षा समारोह में उपस्थित छात्र एवं प्रतिभागी शिक्षक • जागरण

गुणवता तकनीकी शिक्षा के साथ प्रशिक्षण अनिवार्य : प्रो. ओंकार

यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचारों के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय ने प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि विवि ने छात्र-छात्राओं की प्रतिदिन की उपस्थिति के लिए यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल तैयार किया है जिसमें सभी छात्रों की उपस्थिति विवि को प्राप्त होती है। परीक्षा में पादर्शिता के लिए कई फ्लाइंग टीमें त्वरित कार्रवाई करती है। गुणवता तकनीकी शिक्षा के साथ प्रशिक्षण को अनिवार्य किया गया है।

बीटेक कंप्यूटर साइंस की छात्रा वैशाली नेगी रहीं ओवर आल टापर

राज्यपाल ने दीक्षा समारोह में 16 छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। जिसमें बी-फार्मा से प्रियंका पानू, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग से शिवानी नेगी, बीटेक कप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से वैशाली नेगी, बीटेक इकांश वर्मा, बीटेक इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग से गौरव त्रिपाठी, बीटेक इलेक्ट्रानिक्स एडं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग से कनुप्रिया सती, बीटेक इफार्मेशन टेक्नोलाजी से अभिषेक शर्मा, बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग से मोहम्मद यादर खान, एलएलबी से अदिति गोयल, बीएचएमसीटी से प्रथम ब्रिजवासी, एम फार्मा से अदिति कुमारी पांडे, एम फार्मा से भव्या गुप्ता, एमबीए से रजत धवन, एमबीए इंटीग्रेटेड से नव्ज्योति कुमारी, एमसीए में वैशाली शामिल रहीं।